सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in   www.facebook.com/4pmnewsnetwork   @Editor_SanjayS   YouTube @4pm NEWS NETWORK

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 11 ● अंकः 126 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 11 जून, 2025

बड़ी सावधानी और चतुराई से अपने कदम बढाइये और याद रखिये की जीवन संतुलन बनाये रखने का एक महान काम है।

-डॉ. सिअस

27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने... 7 | महाराष्ट्र की सियासत में थम नहीं... 3 | सीएम योगी ने सदन में बोला... 2

बांके बिहारी कॉरिडोर

अधिग्रहण पर सवाल! कुंज गलियों में बवाल

» सरकार गोरखपुर के मंदिर का क्यों नहीं कर रही अधिग्रहण

» देवकी नंदन ठाकुर से पूछे सवाल क्या हुआ सनातन बोर्ड का

मजबूरी में बुलानी पड़ी प्रेस वार्ता

अखिल भारत तीर्थ पुरोहित महासभा के संरक्षक महेश पाठक ने प्रेस वार्ता बुलाई और कहा कि यह बैठक बिहारी जी के गोस्वामियों को इसलिए बुलानी पड़ी की पेपरों में तरह-तरह की भ्रांतियां फैला रहे हैं। महेश पाठक ने कहा कि हमारा कहना यह है बिहारी जी पर भीड़ आती है इसमें कोई दो राय नहीं है जब तत्कालीन सरकार मंदिर अधिग्रहण कर रही थी तब मौजूदा सीएम योगी आदित्यनाथ ने पार्लियामेंट में यह बात कही थी कि अनुच्छेद 25, 26 के अनुसार हम लोगों को पूजा पाठ अपने मंदिर में करने का राइट मिलता है और यह अधिग्रहण नहीं होना चाहिए। महेश पाठक ने सीएम योगी आदित्यनाथ से सवाल किया है कि अब जब वह खुद मुख्यमंत्री हैं तो अब मंदिर अधिग्रहण की बात क्यों आयी। उन्होंने कहा कि आप कॉरिडोर बनाओ परंतु मंदिर का अधिग्रहण मत कीजिए, मंदिर अधिग्रहण नहीं होना चाहिए।

मंदिर अधिग्रहण का अध्यादेश सरकार तुरंत वापस ले : महेश पाठक

संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि इसमें कोई इगो का सवाल नहीं है क्योंकि बात कॉरिडोर से शुरू हुई और अधिग्रहण तक पहुंच गई। यहां पर बहुत मंदिर हैं। वैष्णो देवी मंदिर। प्रेम मंदिर। फिर आप बोलेंगे यहां भी भीड़ आती है इनको भी अधिग्रहण कर लो। अगर सरकार को कॉरिडोर बनाना ही है तो जो मंदिर अधिग्रहण का अध्यादेश है उसको सरकार तुरंत वापस ले।

देवकीनंदन ठाकुर की चुप्पी पर सवाल

कभी सनातन बोर्ड के समर्थन में जोरदार आवाज़ उठाने वाले देवकीनंदन ठाकुर इस मामले में लगभग चुप हैं। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने जिस सनातन सुरक्षा बोर्ड की बात की थी वह कहां गया? क्या सनातन केवल उस वक्त याद आता है जब राजनीतिक समीकरण अनुकूल हों?

» सरकार ट्रस्ट बना कर मंदिरों का खुलेआम कर रही है अधिग्रहण

» हेमा मालिनी की अपील बन जानें दे कॉरिडोर सभी को होगा फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वृंदावन की पावन भूमि में इन दिनों केवल राधे-राधे के स्वर नहीं गूंज रहे हैं। बल्कि नारों और विरोध की गूंज भी सुनाई दे रही है। श्रद्धा बनाम संपत्ति के इस संघर्ष ने वृंदावन की कुंज गलियों को एक बार फिर जगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बांके बिहारी कॉरिडोर बनने का रास्ता साफ हो गया है।

हालांकि अखिल भारत तीर्थ पुरोहित महासभा ने कारिडोर के औचित्य पर ही सवाल उठाते हुए विरोध का बिगुल बजा दिया है। वहीं मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने कॉरिडोर को बन जाने की अपील जारी की है तो शंकराचार्य अविमुक्तेश्रानंद महाराज ने चेतावनी देते हुए योगी सरकार के खिलाफ ताल ठोक दी है।

कॉरिडोर बने लेकिन दुकान, मकान और मंदिरों को न तोड़ा जाए

शंकराचार्य की हुंकार

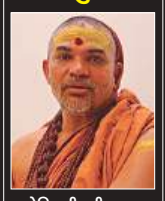

ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सरकार मंदिरों पर ट्रस्ट के नाम पर कब्जा कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर श्रद्धालुओं की सुविधा ही मकसद है तो गोरखपुर मंदिर पर ऐसी योजना क्यों नहीं बनाई जाती वहां तो मुख्यमंत्री स्वयं पीठाधीश्वर हैं। क्या यह दोहरी नीति नहीं है?

▶ गोस्वामी समाज कर रहा है विरोध शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने उठाई आवाज

गोस्वामी समाज का विरोध

बांके बिहारी मंदिर की सेवा में सदियों से लगे गोस्वामी समाज ने कॉरिडोर निर्माण में उनकी सलाह न लिए जाने और उनकी परंपरागत भूमिकाओं की अनदेखी पर गहरी नाराज़गी जताई है। वे पूछ रहे हैं कि सरकार मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर किस अधिकार से अधिग्रहण कर रही है? क्या धार्मिक स्वतंत्रता केवल एकपक्षीय नियमों की मोहताज हो गई है? संरक्षक महेश पाठक कहते हैं कि गोस्वामियों का यह मत है कि 20- 25 एकड़ जमीन हमें सरकार दे दे और वहां पर मंदिर का भव्य निर्माण हो अच्छी पार्किंग बने आने वाले किसी तीर्थ यात्री को तकलीफ ना हो कुंज गलियों को ना तोड़ा जाए दुकानों को न उखाड़ा जाए बृजवासियों के मकानों को ना तोड़ा जाए यह भी एक ऑप्शन है।

विरासत का संकट

महेशन पाठक ने कहा कि वृंदावन की कुंज गलियों का अस्तित्व ही इन छोटे-छोटे मंदिरों, गद्दियों और गोस्वामी घरानों से है। अधिग्रहण की प्रक्रिया इन गलियों की आत्मा को ही नष्ट कर देगी। कई मकान जो कि सौ साल से अधिक पुराने हैं तोड़े जाने की सूची में हैं। इससे न सिर्फ़ रहवासी बेघर होंगे बल्कि सनातन परंपरा का जीवंत स्वरूप भी समाप्त हो जाएगा।

हेमा मालिनी की भावुक अपील

मथुरा की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए कहा है कि बांके बिहारी मंदिर का कॉरिडोर जरूरी है ताकि श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके और हादसों से बचा जा सके। उन्होंने अपील की कि स्थानीय लोग इसका विरोध न करें क्योंकि इससे भविष्य में सभी को लाभ होगा। हेमा मालिनी ने कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यह कॉरिडोर सुरक्षा और सुविधा दोनों के लिए ज़रूरी है।

सीएम योगी ने सदन में बोला झूठ : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

» हवाई सर्वेक्षण पर घेरा- किसानों से डरतें है भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर करारा वार किया है। उन्होंनें महाकुंभ भगदड़ की आई नई रिपोर्ट जिसमें कहा गया है 82 लोगों की मौत हुई थी। उस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सीएम ने सदन में झूठ बोला और बताया कि केवल 37 लोग मरे जबकि अब जो खुलासे हो रहे हैं उसमें लोग कह रहें हैं उनके परिजन भगदड़ में मरे जबकि यूपी पुलिस ने पैसे देकर उनसे बीमारी से मौत का कारण बताकर पेपर पा साइन करवाए। ये बहुत ही निंदनीय कृत है।

वही सपा प्रमुख ने सीएमकी फसलों का हवाई सर्वेक्षण करने के लिए आलोचना की और कहा कि उनमें जमीन पर गुस्साए किसानों का सामना करने का साहस नहीं है। आदित्यनाथ ने रविवार को मक्का की फसल का हवाई सर्वेक्षण किया था। यादव ने एक्स पर लिखा कि खेती-किसानी के लिए जो लोग हवाई सर्वे कर रहे हैं दरअसल उनके पास समय की कमी नहीं है बल्कि उस 'साहस' की कमी है जो ज़मीन पर किसानों के रोष-आक्रोश का साक्षात सामना कर सके। किसान पूछ रहे हैं, इतनी ऊँचाई से नीचे छुट्टा पशु दिखाई देते हैं क्या?

दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दावा किया कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बारकिसान सरकार के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बने और उनके लिये विभिन्न नवोन्मेषी योजनाएं लागू की गयीं। मुख्यमंत्री ने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत औरैया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, अन्नदाता किसान भी किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बन सकता है, यह आपको पहली बार वर्ष 2014 में देखने को मिला होगा, जब प्रधानमंत्री नरन्द्र मोदी ने 'सॉइल हेल्थ कार्ड' की व्यवस्था शुरू की थी।

महाराजा सुहेलदेव की सोने की प्रतिमा गोमती रिवर फ्रंट पर लगवाएंगे : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का बड़ा वादा सामने आया है। सपा अध्यक्ष ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी 2027 में राज्य की सत्ता में लौटती है तो वह लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट पर 11वीं सदी के शासक की सोने की प्रतिमा स्थापित करेंगे। दरअसल, महराजा सुहेलदेव के जरिए राजभर समाज को अपनी तरफ खींचने की कोशिश लगातार हो रही है। भाजपा और सपा की ओर से यूपी चुनाव 2027 को लेकर इस संबंध में राजनीति गरमाई हुई है। इससे पहले यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में चित्तौरा झील के पास वर्ष 1033 में हुए युद्ध का जिक्र करते हुए महाराजा सुहेलदेव को महान शासक करार दिया। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने महमूद गजनवी के सेनापति गाजी सालार मसूद को हराया था। इस युद्ध में अपने पराक्रम से सेनापति को मौत के घाट उतार दिया था। सीएम योगी ने महाराजा सुहेलदेव की कांस्य प्रतिमा का अनावरण करते हुए राजभर समुदाय के महान शासक को श्रद्धांजलि अर्पित की। दूसरी तरफ, लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में शाम को महाराजा सुहेलदेव का विजय दिवस कायक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. राम मनोहर लोहिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश यादव भी पहुंचे और उन्होंने समाज के लोगों से बड़ा वादा किया। अखिलेश यादव ने इस मौके पर कहा कि आज हम विजय दिवस इस दृढ़ संकल्प के साथ मनाते हैं कि भविष्य में जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनेगी तो हम लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट पर महान सम्राट महाराजा सुहेलदेव की चमचमाती स्वर्ण प्रतिमा स्थापित करेंगे। भव्य समारोह में पूरे सम्मान के साथ इसका अनावरण करेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत पार्टी के कई नेता मौजूद थे।

यूपी कांग्रेस पिछड़ा वर्ग को जोड़ने का अभियान चलाएगी

» भागीदारी न्याय सम्मेलन 14 जून को, छात्रों के बीच भी होंगे आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग ने विभिन्न जातियों को गोलबंद करने के लिए नई रणनीति अपनाई है। इसके तहत अब जिलेवार भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न जिलों के साथ ही कॉलेजों एवं विश्विद्यालयों में भी यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत 14 जून को लखनऊ से हो रही है।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान पिछड़ी जातियों पर फोकस किया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले। इसके बाद से लगातार सामाजिक न्याय और मंडल कमीशन की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू करने की मांग की जा रही है। पार्टी विभिन्न आयोजनों के जरिए आरक्षण की सीमा भी बढ़ाने की मांग कर रही है। अब भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में 14 जून को होने वाले भागीदारी न्याय महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयसिंह मौजूद रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। भागीदारी न्याय सम्मेलन में 14 जून से 14 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत हर जिले में भागीदारी न्याय पदयात्रा, ओबीसी वर्ग के विभिन्न जातियों का जातीय सम्मेलन, एक जुलाई से 14 जुलाई तक विभिन्न यूनिवर्सिटी-कॉलेज के युवाओं में भागीदारी न्याय, शिक्षा एवं रोजगार के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही जातिगत जनगणना, आर्थिक सर्वे, संस्थागत सर्वे कराने और आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने की मांग को लेकर गांव गांव चौपाल, बिजली निजीकरण की वजह से आरक्षित वर्ग की नौकरियों पर आए संकट आदि को लेकर अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा का नाम 'भारतीय झूट्ठा पार्टी' होना चाहिए : संजय

11 साल का मोदी कार्यकाल झूठ, बदहाली और लोगों का रोजगार छीनने के नाम रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) का असली नाम 'भारतीय झूट्ठा पार्टी' होना चाहिए। यहां एक लॉन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का असली नाम भारतीय झूट्ठा पार्टी होना चाहिए क्योंकि 11 साल का उनका कार्यकाल झूठ, बदहाली और लोगों का रोजगार छीनने के नाम रहा है। आप सांसद सिंह 11 जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पार्टी प्रदेश के प्रत्येक जिले में 2026 का पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ेगी और भाजपा की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दो करोड़ नौकरी, मंहगाई कम करने, कालाधन वापस लाने, किसानों की आमदनी दोगुनी करने और 2022 तक सभी गरीबों को पक्का मकान देने का वादा किया था लेकिन ये सभी वादे झूठे निकले,इसलिए इसका नाम भारतीय जनता पार्टी नहीं, बल्कि 'भारतीय झूट्ठा पार्टी' होना चाहिए। आप प्रवक्ता ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश के कुंभ मेले में 82 लोगों की जान गई लेकिन सरकार द्वारा उसे छुपाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया,गोविंदाचार्य जैसे नेता के भाई की कुंभ में मौत हो गयी और इसे छुपाया गया। शव को अज्ञात में दिखाया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठे आंकड़े पेश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जिला पंचायत और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव को जनता से कराया जाए ताकि बीडीसी और जिला पंचायत सदस्यों की खरीद-फरोख्त बंद हो सके।

आप सांसद ने यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर उठाए सवाल बोले- वेंटिलेटर न होने से हर महीने हो रही बच्चों की मौत

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बदायूं के महिला अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा कि यहां पर सीपैक वेंटिलेटर न होने से हर महीने 25 से 30 बच्चों की मौत हो रही है। ये संवेदनहीनता की परकाष्ठा है। मीडिया खबरों के मुताबिक यहां पर सीपैक का वेंटिलेटर लाया गया पर इसे चलाने के लिए स्टाफ को प्रशिक्षण नहीं दिया गया और बच्चों की मौत होती रही। यह शर्मनाक है कि अस्पताल के स्टाफ को इतने समय में ट्रेनिंग तक नहीं दी जा सकी। यह आपराधिक लापरवाही है। जो भी जिम्मेदार हैं सरकार को उन पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना में घोटाला हो रहा है। मामले में हजरतगंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। 6239 मरीजों के नाम पर 39 अस्पतालों को 10 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर के अस्पताल में एक्सरे फिल्म पर न देकर कागज पर दिया जा रहा है। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का ये हाल है। संजय सिंह ने बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि कुंभ में 82 लोगों की मौत हो गई लेकिन सरकार ने मृतकों के आंकड़े छिपाए हैं। सरकार ने जानबूझकर भगदड़ में मृतकों की कम संख्या दिखाई।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

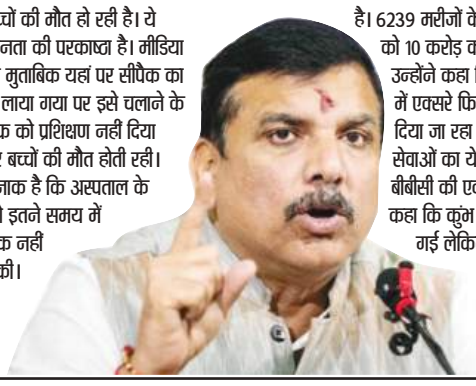

भाजपा के मंत्री टंक राम वर्मा का हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु के साथ फोटो वायरल

» छत्तीसगढ़ में मचा सियासी बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के राजस्व एवं खेल मंत्री टंक राम वर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार वजह उनके किसी सरकारी कार्य या योजनाओं का प्रचार नहीं, बल्कि एक वायरल तस्वीर है, जिसमें वे एक हिस्ट्रीशीटर के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर यह फोटो वायरल हो रही है। वायरल हो रही इस तस्वीर में मंत्री दोनों हाथ बांधे खड़े हैं और उनके सामने दाढ़ी वाला वह शख्स खड़ा है जिसे वायरल पोस्ट में हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, यह तस्वीर मंत्री टंक राम वर्मा के सरकारी कार्यालय की बताई जा रही है। फिलहाल इस तस्वीर की पुष्टि या खंडन मंत्री या उनके कार्यालय की ओर से नहीं किया गया है। ना ही यह स्पष्ट हुआ है कि उक्त व्यक्ति वास्तव में फरार हिस्ट्रीशीटर है या नहीं। लेकिन सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

महाराष्ट्र की सियासत में थम नहीं रहा आघात

एनडीए सरकार पर फिर हमलावर हुआ विपक्ष, मराठी भाषा, आरक्षण के बाद रेल हादसे पर रार, भाई-भाई, भाई -बहन भी आए सुर्खियों में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत एकबार फिर राहुल गांधी, राज ठाकरे के बयान के बाद से गरमा गई है। इन दोनों के अलावा अजित पवार व देवेंद्र फडणवीस के बोलों से भी माहौल तल्ख बना हुआ है। मराठी भाषा, आरक्षण के बाद रेल हादसे भी राजनीति के मुद्दे बन गए हैं। कांग्रेस भाजपा के रेलमंत्री को घेर रही है तो राज ठाकरे उत्तरभारतीयों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इन सबके बीच भाई-बहन व भाई- भाई के साथ एकबार फिर गठबंधन को लेकर भी वार-पलटवार जारी है। राज्य में नई सरकार को बने छह महीने से ऊपर हो गए हैं पर वहां के विधान सभा चुनावों के चर्चा भी अभी कम नहीं हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष हर मंच से वहां के वोटरों की बढ़ोत्तरी का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग को घेरते रहते हैं। उधर महाराष्ट्र में ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने से जहां राजनीति गरमाई हुई है तो वहीं दूसरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों धड़ों के एक साथ आने की चर्चा भी हो रही है। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ठाकरे और पवार परिवार के साथ आने की अटकलों ने बड़ी सियासी हलचल पैदा कर दी है। रविवार को बारामती में सुप्रिया सुले पहली बार अलग अंदाज में दिखीं उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अजित पवार के सवाल सकारात्मक रुख दिखा है। ऐसा तब हुआ है जब एनसीपी के दोनों गुट 10 जून को पुणे में स्थापना दिवस मना रहे हैं। शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 10 जून 1999 को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई थी। मंगलवार को पार्टी की स्थापना के 25 साल पूरे होंगे। 2 जुलाई 2023 को अजित पवार अपने चाचा शरद पवार से अलग हुए थे।

महाराष्ट्र में अजित पवार की बगावत के बाद पवार फैमिली में दरार आ गई थी लोकसभा चुनावों में अजित पवार की पत्नी और सुप्रिया सुले (भाभी-ननद) के बीच मुकाबला हुआ था। इसमें सुप्रिया जीती थीं। इसके बाद विधानसभा चुनावों में शरद पवार ने भतीजे अजित के सामने युगेन्द्र को उतार दिया था। जो उनके भतीजे हैं। ऐसे में डबल चाचा-भतीजे का मुकाबला हुआ था। इसमें अजित पवार जीते थे। ऐसे में फैमिली फाइट 1-1 से बराबरी पर रही थी। ऐसा माना जा रहा है कि एनसीपी के दोनों खेमों एक हो सकते हैं। जब ये अटकलें लग रही हैं तब मंगलवार को दोनों दलों के कार्यक्रमों पर सभी की नजरें लगी हुई हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि दोनों गुटों का मर्जर हो ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि किसी ने सरेंडर किया है, सूत्रों की मानें तो शरद पवार और अजित पवार के बीच में रिश्ते काफी ठीक हो चुके हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2024 के राज्य विधानसभा चुनावों में हार पर आत्मावलोकन करने के बजाय जनादेश को अस्वीकार कर रहे हैं। क्योंकि जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। फडणवीस ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता बिहार सहित आगामी विधानसभा चुनावों में होने वाली हार के लिए बहाने तैयार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को अलग-अलग समाचार पत्रों में प्रकाशित एक लेख और 'एक्स' पर किये गए एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था और यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किये गए पोस्ट में गांधी ने चुनाव में कथित अनियमितताओं के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा गया, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया, फर्जी मतदान कराया गया और बाद में सबूतों को छिपा दिया गया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि अनुकूल परिणाम नहीं मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना पूरी तरह बेतुका है। गांधी के दावों के जवाब में फडणवीस ने अपने लेख में कहा कि कांग्रेस नेता लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोगों के जनादेश का लगातार अपमान कर रहे हैं।

मतदाता बढ़ोत्तरी व चुनावी धांधली पर फिर मुखर हुए राहुल गांधी

राहुल गांधी ने मतदाताओं की संख्या में वृद्धि को फर्जी मतदाता बताया था

पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि पर गांधी की आपत्ति का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि युवा मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। राहुल गांधी ने मतदाताओं की संख्या में वृद्धि को फर्जी मतदाता बताया था। उन्होंने कहा कि साल 2014 से 2019 के बीच 63 लाख नए मतदाता जुड़े। 2009 से 2014 तक 75 लाख नए मतदाता जुड़े। और 2004 से 2009 तक एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। इसका मतलब है कि 2024 में कुछ भी असाधारण नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2004 में विधानसभा चुनावों में लोकसभा चुनावों की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक मतदान हुआ था, जबकि 2009 में चार प्रतिशत अधिक, 2014 में तीन प्रतिशत अधिक, 2019 में एक प्रतिशत और 2024 में चार प्रतिशत अधिक मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि इसलिये 2024 में कुछ भी नया नहीं हुआ।

मतदान प्रतिशत में अचानक वृद्धि का दावा बड़ा मजाक

मतदान प्रतिशत में अचानक वृद्धि का दावा एक बड़ा मजाक है। क्या राहुल गांधी को यह नहीं पता कि शाम पांच से छह बजे तक भी मतदान का समय है और शाम छह बजे तक बूथ पर कतार में मौजूद सभी लोगों को अपना वोट डालने की अनुमति है? उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम पांच बजे मतदान का आंकड़ा 60.96 प्रतिशत बताया गया था, जिसे अगले दिन अंतिम तौर पर 66.71 प्रतिशत बताया गया यानी वृद्धि 5.75 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि लेकिन क्या आप इस तथ्य को छिपा रहे हैं, क्योंकि आपने वह (महाराष्ट्र में लोकसभा)चुनाव जीता था?

विस चुनाव में हुई थी महायुति की प्रचंड जीत

भारतीय जनता पार्टी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से मिलकर बने महायुति ने 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) वाले गठबंधन महाविकास अघाड़ी को हराकर भारी बहुमत से जीत हासिल की थी। फडणवीस ने कहा कि जहां तक महाराष्ट्र चुनाव का सवाल है, यह मूल रूप से महायुति और महा विकास अघा?ी के बीच मुकाबला नहीं था। एक और कारक था- भारत जोड़ो अभियान। 'जोड़ो' नाम वाले इस अभियान में 'तोड़ो' अभियान क्या कर रहा था? उन्होंने दावा किया कि यह न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग समेत देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ जनता में गलत धारणाएं पैदा कर रहा था और इस तरह उन्हें देश के खिलाफ लड़ने के लिए उकसा रहा था।

अजित और मैं...भाई बहन हैं : सूले

बारामती में बातचीत के दौरान जब शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले से एनसीपी के एक होने पर सवाल पूछा गया है। विधायक अमोल मिटकरी के उस बयान के बारे में पूछा जिसमें उन्होंने कहा था कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और सांसद सुप्रिया सुले को आषाढी वारी से पहले एक साथ आ जाने चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि अजित पवार और मैं, दोनों भाई-बहन हैं। अमोल मिटकरी की भावना के लिए मैं उनकी आभारी हूं। सुप्रिया सुले ने एनसीपी के एक होने पर कहा कि राष्ट्रवादी एकीकरण का फैसला शरद पवार लेंगे। पहले ऐसी अटकलें थीं सुप्रिया सुले के विदेश दौरे से लौटने के बाद एनसीपी के एक होने की बात आगे बढ़ेगी। ऐसी अटकलें लंबे समय से लग रही हैं कि सुप्रिया सुले केंद्र में मंत्री बनेगी।

प्रवासियों की भीड़ के कारण 'ध्वस्त' हो गया है मुंबई उपनगरीय रेलवे बुनियादी ढांचा : राज ठाकरे

भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत होने और नौ अन्य के घायल होने के हादसे के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि रेलवे के बुनियादी ढांचे के ध्वस्त होने के लिए अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासियों का मुंबई में पलायन जिम्मेदार है। ठाकरे ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लोकल ट्रेन में स्वचालित दरवाजे की सुविधा दिये जाने की मांग के औचित्य पर भी सवाल उठाया। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि सुबह के व्यस्त समय में दिवा और कोपर रेलवे स्टेशन के बीच दो विपरीत दिशा की दो लोकल ट्रेन के पायदान पर खड़े यात्रियों के बैग आपस में टकराने के कारण चार लोगों की ट्रेन से नीचे गिरने से मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। ठाकरे ने कहा, ''हर दिन लोकल ट्रेन से जुड़ी दुर्घटनाएं होती हैं। यह केवल रेलवेकी बात नहीं है। हमारे सभी शहरों में अव्यवस्था है। सड़कें ठीक नहीं हैं और मुंबई और पुणे सहित कई शहरों में यातायात जाम आम बात है। अगर आग लग जाए तो दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंच पाती।'

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बच्चों की ढंग से पैरेंटिंग की जरूरत!

“ माता-पिता अपने बच्चों को महत्वाकांक्षा के नाम पर कोचिंग भेजते हैं, लेकिन बच्चों से कभी यह नहीं पूछा गया कि वे अकेलेपन और दबाव के लिए मानसिक रूप से तैयार भी हैं या नहीं। कई बार ऐसी त्रासदी के पीछे माता-पिता होते हैं, जो भला तो चाहते हैं, लेकिन सुनना नहीं सीख सके। बेंगलूरु जैसे महानगरों में भी भावनात्मक टकराव की जड़ें गहरी हैं।

एकबार फिर विदेश की धरती से एक खौफनाक खबर आई है। ऑस्ट्रिया में एक छात्र ने 9 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी है। उसके बाद उसने अपने का भी गोली मार ली। ये घटना तो विदेश की है पर भारत में भी इस तरह की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। ऐसी खबरों पर मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आज के बच्चों को ढंग से पैरेंटिंग की जरूरत है। पहले भारत में बच्चों का लालन-पालन केवल माता-पिता का ही नहीं, पूरे समुदाय का दायित्व था। बच्चे दादा-दादी, पड़ोसियों, गांव के बुजुर्गों और सामूहिक परंपराओं की छाया में पलते थे। संयुक्त परिवार की गोद, साझा मूल्य और सांझ की सामूहिक बैठकों में ही पालन-पोषण का सच्चा अर्थ निहित था। लेकिन आज यह भूमिका एक प्रदर्शन में बदल गई है, जिसमें माता-पिता की सफलता बच्चे के संस्कार नहीं, बल्कि परीक्षा में अंक, म्यूजिक, सर्टिफिकेट और स्क्रीन टाइम की सख्ती के आधार पर आंकी जाती है। इस दौड़ में हमने वो भावनात्मक जुड़ाव खो दिया, जो पालन-पोषण को सार्थक बनाता है। हेल्पलाइन नंबरों पर पिछले वर्ष पालन-पोषण से जुड़ी शिकायतों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मांएं बच्चों के गुस्से, स्कूल न जाने की जिद और स्क्रीन की लत से परेशान हैं। वर्ष 2023 में कोचिंग के लिए कोटा गए 26 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। माता-पिता अपने बच्चों को महत्त्वाकांक्षा के नाम पर कोचिंग भेजते हैं, लेकिन बच्चों से कभी यह नहीं पूछा गया कि वे अकेलेपन और दबाव के लिए मानसिक रूप से तैयार भी हैं या नहीं। कई बार ऐसी त्रासदी के पीछे माता-पिता होते हैं, जो भला तो चाहते हैं, लेकिन सुनना नहीं सीख सके। बेंगलूरु जैसे महानगरों में भी भावनात्मक टकराव की जड़ें गहरी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, तलाकशुदा माता-पिता अपने बच्चों को 'भावनात्मक हथियार' की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे बच्चे ऐसी लड़ाइयों में फंस रहे हैं, जो उन्होंने खुद नहीं चुनी हैं। आज भारतीय माता-पिता विरोधाभास के दोराहे पर खड़े हैं। जब बच्चा डगमगाता है तो अमूमन हम या तो बहुत कठोर हो जाते हैं या अत्यधिक सहानुभूति में बह जाते हैं। बच्चों को 'परफेक्ट' माता-पिता नहीं चाहिए, उन्हें ऐसे माता-पिता चाहिए जो उपलब्ध हों। जो कह सकें, 'मुझे नहीं पता' जो रो सकें जो माफी मांग सकें। हम विफल इसलिए नहीं हो रहे कि हम बच्चों को 'सही खिलौना' नहीं दे सके। हम तब विफल होते हैं जब हम कई दिनों तक उनकी आंखों में नहीं झांकते, ये नहीं पूछते, 'कौन सी बात तुम्हें रातों को जगाए रखती है?' बच्चे निवेश नहीं, व्यक्ति हैं। वे अनुशासन या महत्त्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि प्रेम से पनपते हैं। हमारी सबसे बड़ी विरासत न बैंक-बैलेंस होगा, न कोई प्रमाणपत्र, बल्कि एक स्मृति होगी 'मेरे माता-पिता ने मुझे देखा पूरे मन से बिना शर्त।'

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एआई भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत

अनुराग सक्सेना

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई ने आज दुनिया के हर क्षेत्र को प्रभावितकिया है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां राजनीति लोगों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है, वहां भी एआई की उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है। राजनीतिक दल अब पारंपरिक तरीकों से हटकर डिजिटल माध्यमों और उन्नत तकनीकों की ओर बढ़ रहे हैं। इन तकनीकों में सबसे प्रभावशाली और निर्णायक तकनीक बनकर उभरी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। यह तकनीक भारतीय राजनीतिमें जहां एक ओर क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके कुछ ऐसे पक्ष भी सामने आ रहे हैं, जो लोकतंत्र की पारदर्शिता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के लिए चुनौती बन सकते हैं। राजनीतिक दलों के लिए एआई ने चुनावी रणनीतियों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां राजनीतिक दल मतदाताओं के रुझानों को समझने के लिए जनसभाओं, जनसंपर्क अभियानों और जमीन पर किए गए सर्वेक्षणों पर निर्भर रहते थे, अब एआई के माध्यम से वे लाखों-करोड़ों मतदाताओं के व्यवहार, प्राथमिकताओं, और सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विश्लेषण बहुत कम समय में कर पा रहे हैं। इसके जरिए हर सीट, हर बूथ और हर वर्ग के मतदाताओं के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। इसने राजनीतिक प्रचार को अत्यधिक केंद्रित और व्यक्तिगत बना दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अब हर व्यक्ति को उसकी सोच, भाषा, आयु, जाति या क्षेत्र के अनुसार प्रचार सामग्री भेजी जातीहै, जिससे वह यह महसूस करता है कि पार्टी उसकी बात समझ रही है और उससे जुड़ी हुई है।

एआई का इस्तेमाल केवल प्रचार तक सीमित नहीं है। बूथ स्तर पर किस तरह का मत प्रतिशत रहा, किस इलाके में संगठन कमजोर पड़ा, या किस वर्ग ने समर्थन नहीं किया-इन सब सूचनाओं का विश्लेषण एआई से किया जासकता है। इससे चुनावी तैयारियां और भी मजबूत हो गई हैं। इसके अलावा विपक्षीदलों की गतिविधियों पर नजर रखना, फेक न्यूज़ को पहचानना और तुरंत जवाब देना भी अब एआई के माध्यम से

किया जा रहा है। हालांकि, इन तमाम फायदों के बीच कुछ गहरे खतरे भी मौजूद हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर सवात्र खड़े करते हैं। सबसे पहला खतरा है व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता का।

एआई को चलाने के लिए राजनीतिक दलों को मतदाताओं का बहुत संवेदनशील डेटा एकत्र करना पड़ता है। इसमें उनकी जाति,धर्म, स्थान, शिक्षा, आय और ऑनलाइन व्यवहार जैसी जानकारियाँ शामित्र होती हैं। यदि यह डेटा लीक हो जाए या इसका दुरुपयोग किया जाए, तो इससे न केवल व्यक्ति की निजता का उल्लंघन होता है, बल्कि राजनीतिक रूप से भी गड़बड़ियाँ पैदा हो सकती हैं। दूसरा बड़ा खतरा है एआई से बनाए गए डीपफेक वीडियो और झूठे प्रचार सामग्री का। एआई की मदद से आज किसी भी नेता के चेहरे और आवाज की नकल कर मनगढ़ंत वीडियो तैयार किए जा सकते हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल जाते हैं और जनता को भ्रमित करते हैं। इससे राजनीतिक संवाद का स्तर गिरता है और मतदाताओं के सामने झूठ को सच की तरह पेश किया जाता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित होती है। एक और चुनौती यह है कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता से कई राजनीतिक नेता जमीनी हकीकत से कटते जा रहे हैं। डिजिटल डेटा भले ही कुछ और कहे, लेकिन गाँव, कस्बों और हाशिये के समाजों की वास्तविक समस्याएँ अक्सर इससे अलग होती हैं। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि एआई शहरों और इंटरनेट-प्रेमी वर्गों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे ग्रामीण और डिजिटल रूप से पिछड़े क्षेत्रों की आवाज़ कमजोर पड़ती है। इससे चुनाव प्रचार और रणनीति में असमानता आती है और कुछ वर्ग खुद को राजनीतिक विमर्श से बाहर महसूस करते हैं। एआई लोगों को उन्हीं विचारों से जोड़ते हैं, जो वे पहले से पसंद करते हैं। इससे वैचारिक विविधता खत्म होती है। राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को और तेज कर सकते हैं, ताकि केवल उनके समर्थन वाले वर्गों को ही सूचना मिले और विरोधी विचारों को दबा दिया जाए। यह लोकतंत्र की आत्मा यानी बहस और विविधता को कमजोर करता है। इन सभी परिवर्तनों और खतरों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि एआई भारतीय राजनीति में एक दुधारी तलवार बन चुका है। यह एक ओर जहां राजनीतिक अभियानों को और अधिक प्रभावशाली और वैज्ञानिक बना रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे जुड़ी अनियमितताएं राजनीतिक प्रक्रियाओ को खतरे में डाल सकती हैं।

मोदी सरकार की उपलब्धियों के ग्यारह साल

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय परंपरा में ग्यारह की संख्या शुभ मानी जाती है। पारिवारिक और धार्मिक समारोहों में शगुन के रूप में ग्यारह रूपए की भेंट देने की परंपरा इसी वजह से रही है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को शगुन काल भी कह सकते हैं। ग्यारह साल का वक्त कम नहीं होता। इस दौरान पीढ़ी भी बदल जाती है। ऐसे में इस पूरे दौर का जो मूल्यांकन होगा, उसे पीढ़ीगत नजरिए से भी देखना होगा, क्योंकि हर नई पीढ़ी का नजरिया बुजुर्गों से अलग होता है। इन अर्थों में देखेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी और उनका कार्यकाल अनूठा लगेगा। मोदी और उनकी कार्यशैली पुरानी पीढ़ी को भी पसंद हैं और नई पीढ़ी के तो प्रेरक हैं ही। इसकी वजह है, उनकी अद्भुत संप्रेषण कला, जिसके जरिए वे सीधे लोगों के दिलों से जुड़ जाते हैं।

नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा।

मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहीं सालगिरह मनाने जा रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां है। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। उज्ज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन-धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है।जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका भी श्रेय मोदी सरकार को ही जाता है।

बुजुर्गों को खुश रखने के लिए खिलाएं ये पकवान

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में भी काफी परिवर्तन होते हैं। इन परिवर्तनों की वजह से शरीर में अलग तरह के पोषक तत्वों की जरूरत पड़ती है। खासतौर पर जब कोई बुजुर्ग हो जाता है, तो उनके खाने का ध्यान घर वालों को ही रखना पड़ता है। शायद ही कोई घर ऐसा होगा, जिसमें बुजुर्ग ना रहते हों। जिस प्रकार से जब घर में कोई बच्चा आता है, तो उसका ध्यान रखना पड़ता है, ठीक उसी प्रकार से घर के बुजुर्गों का भी काफी खास ध्यान रखना पड़ता है। उम्र बढ़ने के साथ दांत कमजोर होने लगते हैं, जिस वजह से बुजुर्गों को आप कुछ भी खाने को नहीं दे सकते। उन्हें वही चीजें खाने को दी जाती हैं, जिसे वो सही तरह से चबा लें। कई बार हेल्दी चीजें देने के चक्कर में हम उनके स्वाद के बारे में भूल जाते हैं।

टमाटर का सूप

बुजुर्गों को ऐसी चीजें काफी पसंद आती हैं, जिसे उन्हें चबाना ना पड़े। ऐसे में आप अपने परिवार के बुजुर्गों को टमाटर या मिक्स वेजिटेबल का सूप तैयार करके परोस सकते हैं। ध्यान रखें कि ये ज्यादा तीखा ना हो, वरना उन्हें पेट की समस्या हो सकती है। टमाटर का सूप वजन घटाने में सहायक होता है। दरअसल, टमाटर के सूप में फाइबर और पानी अधिक मात्रा में होता है। इसे पीने से भूख नहीं लगती और वजन कम करने में मदद मिलती है। सर्दियों में टमाटर का सूप पीने से आप अपनी हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। दरअसल, शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। टमाटर सूप में लाइकोपीन होता है, ऐसे में इसके सेवन से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। टमाटर सूप में विटामिन के और कैल्शियम भी होता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।

मूंग दाल का चीला

चीला खाने में काफी नरम और स्वादिष्ट होता है। ऐसे में मूंग दाल का चीला आप उन्हें बनाकर खिला सकते हैं। इसे उनकी पसंदीदा चटनी के साथ ही परोसें। ताकि उनका मन भी भर जाए। मूंग दाल विटामिन बी1 प्रदान करता है। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। मूंग दाल पनीर चीला खाने से आपको पूरा दिन एनर्जी मिलती है। जिससे आपको थकान और कमजोरी महसूस नहीं होती है। इस चीला के नियमित सेवन से आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। जिससे नसों में कोलेस्ट्रॉल के द्वारा प्लाक बनने की संभावना कम होती है। इससे नसें साफ रहती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

दलिया

दलिया एक ऐसी चीज है, जिसे आप नाश्ते और खाने दोनों समय खा सकते हैं। ऐसे में आप चाहें तो नाश्ते में अपने घर के बुजुर्गों के लिए दूध और दलिया तैयार कर सकते हैं। अगर खाने में उनका दलिया खाने का मन है तो आप उन्हें नमकीन दलिया बनाकर खिला सकते हैं। ये शरीर में पाचन प्रक्रिया को उत्तेजित करने और कुछ प्रकार की बीमारियों को रोकने के लिए शरीर में आहार फाइबर का उच्च स्तर होना बहुत जरूरी होता है। यह फाइबर आपके पेट में पोषक वृद्धि की क्षमता में सुधार कर सकता है। दलिया अतिरिक्त ओमेगा -6 फैटी एसिड को समाप्त करके और धमनियों में निर्माण के द्वारा कोलेस्ट्रॉल संतुलन में सुधार कर सकता है।

ढोकला

ये काफी मुलायम होता है और इसे बनाना भी काफी आसान होता है। ऐसे में आप अपने घर के बड़ों को हरी चटनी के साथ ढोकला परोस सकते हैं। वैसे ढ़ोकला का नाम सुनते ही मुंह में गुजराती स्वाद का मजा आने लगता है। गुजरात की यह पॉपुलर डिश अब देशभर में काफी फेमस हो चुकी है। खाने के शौकीन एक बार इसका स्वाद ले लें तो फिर इसे दोबारा खाने का मौका नहीं छोड़ते हैं। बच्चे भी इसे काफी पसंद करते हैं।

इडली

साउथ इंडियन खाना हर किसी को पसंद आता है। ऐसे में आप भी अपने घर के बुजुर्गों को स्वादिष्ट इडली बनाकर खिला सकते हैं। अगर उन्हें चटाकेदार खाना पसंद है, तो आप इसे फ्राई भी करके उन्हें परोस सकते हैं। इडली में सोडियम की बहुत कम मात्रा होती है इसलिए स्वस्थ शरीर के लिए काफी फायदेमंद होती है। अगर आप ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान है तो आप इडली के सेवन से इस समस्या से बच सकते हैं।

हंसना मना है

पति: काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता। पत्नी: हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता!

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर: मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की: भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना। वेटर: क्या? लड़का: गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढक निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारूं। तेरी वाली के चक्कर में तूने मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

संता: डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर: 50 हजार सांता: अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर: साले, पिघला कर चिपका भी लेना।

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है मुझे क्या गिफ्ट दोगे प्रेमी - जो तुम चाहो मेरी जान, प्रेमिका- मुझे रिंग चाहिए प्रेमी- ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, मेरा बैलेंस कम है...

कहानी — संगति का असर

एक बार एक राजा शिकार के उद्देश्य से अपने काफिले के साथ किसी जंगल से गुजर रहा था। दूर-दूर तक शिकार नजर नहीं आ रहा था, वे धीरे धीरे घनघोर जंगल में प्रवेश करते गए। अभी कुछ ही दूर गए थे की उन्हें कुछ डाकुओं के छिपने की जगह दिखाई दी। जैसे ही वे उसके पास पहुंचे कि पास के पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-पकड़ो पकड़ो एक राजा आ रहा है इसके पास बहुत सारा सामान है लूटो लूटो जल्दी आओ जल्दी आओ। तोते की आवाज सुनकर सभी डाकू राजा की और दौड़ पड़े। डाकुओं को अपनी और आते देख कर राजा और उसके सैनिक दौड़ कर भाग खड़े हुए। भागते-भागते कोसो दूर निकल गए। सामने एक बड़ा सा पेड़ दिखाई दिया। कुछ देर सुस्ताने के लिए उस पेड़ के पास चले गए, जैसे ही पेड़ के पास पहुंचे कि उस पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-आओ राजन हमारे साधु महात्मा की कुटी में आपका स्वागत है। अन्दर आइये पानी पीजिये और विश्राम कर लीजिये। तोते की इस बात को सुनकर राजा हैरत में पड़ गया और सोचने लगा की एक ही जाति के दो प्राणियों का व्यवहार इतना अलग-अलग कैसे हो सकता है। राजा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वह तोते की बात मानकर अन्दर साधु की कुटिया की ओर चला गया, साधु महात्मा को प्रणाम कर उनके समीप बैठ गया और अपनी सारी कहानी सुनाई। और फिर धीरे से पूछा, ऋषिवर इन दोनों तोतों के व्यवहार में आखिर इतना अंतर क्यों है। साधु महात्मा बोले ,ये कुछ नहीं राजन बस संगति का असर है। डाकुओं के साथ रहकर तोता भी डाकुओं की तरह व्यवहार करने लगा है और उनकी ही भाषा बोलने लगा है। अर्थात जो जिस वातावरण में रहता है वह वैसा ही बन जाता है कहने का तात्पर्य यह है कि मूर्ख भी विद्वानों के साथ रहकर विद्वान बन जाता है और अगर विद्वान भी मूर्खों के संगत में रहता है तो उसके अन्दर भी मूर्खता आ जाती है। इसिलिय हमें संगति सोच समझ कर करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। व्यस्तता रहेगी।

सिंह परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। लाभ होगा।

तुला मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। चिंता बनी रहेगी।

धनु व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कुम्भ व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यस्तता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कैंसर सर्जरी के बाद दीपिका बोलीं- अब बेहतर महसूस कर रही हूं

टी वी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री और ससुराल सिमर का फेम दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने स्टेज 2 लीवर कैंसर की सर्जरी करवाई है। सर्जरी के बाद पहली बार वो अपने पति शोएब इब्राहिम के व्लॉग में नजर आईं और इस मुश्किल घड़ी में मिले प्यार और दुआओं के लिए सबका शुक्रिया अदा किया। शोएब इब्राहिम ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दीपिका सर्जरी के बाद पहली बार कैमरे के सामने आईं। वीडियो में वह काफी भावुक नजर आईं और अपने स्वास्थ्य को लेकर अपडेट देती दिखीं। उन्होंने कहा कि अब वो पहले से काफी बेहतर महसूस कर रही हैं और ठीक होने की दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं। दीपिका ने कहा कि अस्पताल में नर्सों से लेकर दूसरे मरीजों के परिजन तक सबने उन्हें ढेर सारी दुआएं दीं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें खांसी आती थी, तब टांकों में बहुत दर्द होता था और वह कुछ भी बोल नहीं पाती थीं। लेकिन अब वो रिकवर कर रही हैं। वीडियो के दौरान उन्होंने अपने बेटे रुहान को याद करते हुए कहा कि उसकी मुस्कान और उपस्थिति उन्हें ताकत देती है। शोएब ने वीडियो में बताया कि दीपिका की सर्जरी 14 घंटे तक चली, जिसमें डॉक्टरों ने उनका गॉलब्लैडर और लीवर का एक हिस्सा निकाल दिया। गॉलब्लैडर में पथरी होने के कारण उसे हटाना पड़ा और लीवर में मौजूद ट्यूमर को भी हटा दिया गया। हालांकि डॉक्टरों के मुताबिक चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि लीवर एक ऐसा अंग है जो खुद को रीजेनरेट कर सकता है। इससे पहले दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में खुद के कैंसर की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द के बाद जब वो जांच के लिए अस्पताल गईं तो डॉक्टरों को लीवर में टेनिस बॉल के आकार का ट्यूमर मिला, जो स्टेज 2 का कैंसर निकला। इस खबर ने उनके फैंस को झकझोर कर रख दिया था। दीपिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उन्हें जल्द ठीक होने की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

राजा रघुवंशी मर्डर केस पर भड़कीं कंगना

बोलीं- अपने मां बाप को शादी से मना नहीं कर सकती थीं

बीजेपी सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में सामने आए राजा रघुवंशी मर्डर केस को लेकर गहरा आक्रोश जताया है। इस चौंकाने वाले मामले में कंगना की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। उन्होंने इसे न सिर्फ क्रूर और अमानवीय बताया बल्कि समाज के लिए सबसे खतरनाक करार दिया। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर कर इस पूरी घटना पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सवाल उठाया कि एक लड़की अपने माता-पिता से डरकर शादी को मना नहीं कर सकती, लेकिन अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रच सकती है? उन्होंने लिखा कि ऐसी मानसिकता समाज के लिए बहुत बड़ा खतरा है और इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। अपने पोस्ट में कंगना ने यह भी कहा कि समाज अक्सर मूर्ख लोगों को हंसी का पात्र समझता है, जबकि असल में वही सबसे बड़ा खतरा होते हैं। उन्होंने लिखा, 'बुद्धिमान लोग अपने फायदे के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन मूर्ख लोगों को खुद नहीं पता कि वो क्या कर रहे हैं। ऐसी नासमझी बेहद खतरनाक होती है।' 29 साल के राजा रघुवंशी की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। बताया जा रहा है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद मेघालय में हनीमून पर गए राजा की पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। सोनम ने कुछ दिनों बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जबकि बाकी आरोपियों को भी हिरासत में ले लिया गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड हासिल कर ली है। चौथा आरोपी आनंद, मध्य प्रदेश के सागर जिले से पकड़ा गया है और उसे इंदौर लाया गया है।

कोंकणा के साथ अफेयर पर अमोल का खुलासा

बोले- अगर कुछ होगा तो मैं खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा

हाल ही में वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में नजर आए अभिनेता अमोल पाराशर इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। अमोल पाराशर का नाम अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी तक दोनों की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन दोनों को कुछ एक मौकों पर साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं लगातार बॉलीवुड के गलियारों में घूम रही हैं। अब कोंकणा सेन शर्मा के साथ अपने रिलेशनशिप की खबरों पर पहली बार अमोल पाराशर ने प्रतिक्रिया दी है। अमोल पाराशर ने कहा, किसी ने मुझसे नहीं पूछा। बल्कि सभी ने अपने कयास लगाने शुरू कर दिए। पहले मैं हर खबर पर रिएक्शन देता था, लेकिन अब मैंने आगे बढ़ना सीख लिया है। अगर कुछ होगा और मुझे शेयर करना होगा, तो मैं इसे खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा। आपकी जिंदगी में लोग हैं। किसी से आप करीब होते हैं और किसी से आप ज्यादा करीब होते हैं। हर रिश्ते को नाम देना जरूरी नहीं है। आप खुश, सामने वाला खुश और घरवाले खुश, बस इतना ही काफी है। इस दौरान अमोल ने 'सरदार उधम' की शूटिंग के उस वक्त को याद किया जब विक्की कौशल कटरीना कैफ को डेट कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोग अक्सर मुझसे विक्की के रिश्ते के बारे में पूछते थे, जिससे मैं विक्की से यह कहने के लिए प्रेरित किया जाता था कि वह इसे स्वीकार कर लें। इस पर विक्की कौशल ने जवाब दिया था कि मैं सही समय पर ऐसा करूंगा। बता दें कि अमोल पाराशर और कोंकणा सेन शर्मा की उम्र में 7 साल का फर्क है। कोंकणा के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच अपनी शादी की योजना के बारे में बात करते हुए अमोल ने कहा, पहले मां मुझ पर दबाव डालती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। कुछ भी हो सकता है। मुझे खुद को सरप्राइज करना पसंद है और मेरा परिवार यह जानता है। अगर शादी होगी, तो मैं भी इसे इंस्टा पर पोस्ट करूंगा, क्योंकि यह सभी के लिए मायने रखता है। लेकिन अभी तक, मेरे पास बात करने के लिए कुछ नहीं है।

एक कुप्रथा के चलते इस गांव में 17 साल बाद हुई दुल्हन की विदाई

'परग' एक ऐसी कुप्रथा है, जिसमें गलती एक व्यक्ति करता है, लेकिन सजा पूरे गांव को भुगतनी पड़ती है। इस कुप्रथा के चलते गांव में बेटियों की शादी नहीं हो पाती। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित सागर जिले के माल्थोन ब्लॉक के ललोई गांव में 17 साल पहले एक अपराध हुआ था। इसके बाद गांव के पंचों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गांव में यह प्रथा लागू होगी। अगर कोई इसे तोड़ेगा तो उसे भयंकर श्राप लगेगा, यानी कोई अपशगुन हो सकता है। इस डर से 17 साल गुजर गए, लेकिन किसी ने भी इस प्रथा को तोड़ने की हिम्मत नहीं की। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब वर्ग के लोगों पर पड़ा, क्योंकि उन्हें अपनी बेटियों की शादी गांव के बाहर करनी पड़ती, जिसका खर्च अधिक होता है। लेकिन विज्ञान के युग में, जहां दुनिया 5जी की स्पीड से दौड़ रही है, आज इस तरह की कुप्रथाओं को तोड़कर मिसाल पेश की गई। 17 साल बाद गांव वालों ने मिलकर एक बेटी की शादी की और इस कुप्रथा को तोड़ा। गांव के सभी लोग एकत्रित हुए और चंदा किया, जिसमें 3 लाख रुपए एकत्रित हुए। फिर आदिवासी परिवार की बेटी की धूमधाम से शादी की गई। गांव में 'परग' लगने की प्रथा के तहत सिर्फ बेटियों की शादी पर रोक लगाई गई थी, जबकि बेटों की शादी पर कोई रोक नहीं थी। कुछ गांवों में तो पूरी तरह से शहनाई बजने पर भी रोक लग जाती है। अपराध करने वाले व्यक्ति को गंगा स्नान करना पड़ता है, गांव वालों को भंडारा करवाना पड़ता है और देवउठनी एकादशी पर तुलसी-शालिग्राम विवाह करवाना पड़ता है। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक यह कुप्रथा मान्य रहती है। ललोई गांव के लोगों ने गरीब आदिवासी परिवार की बेटी मानसी गौड़ की शादी सभी ग्रामवासियों की सहमति और आर्थिक सहयोग से कराई। दमोह जिले के नरसिंहगढ़ से आई बारात के स्वागत में गांव के सभी महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। उन्होंने पूर्व गृहमंत्री और खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह को भी विवाह समारोह में आमंत्रित किया था।

अजब-गजब | दूल्हा-दुल्हन ने लगाया अपना दिमाग

मेहमानों से ही बटोरने लगे शादी का खर्च

हर गेस्ट से मांगे 2 लाख रुपये!

आजकल शादी का खर्च इतना ज्यादा हो गया है कि लोगों को शादी करने से पहले दस बार सोचना पड़ता है। उसके बाद बजट के हिसाब से गेस्ट हाउस बुक करना पड़ता है और फिर मेहमानों को बुलाना पड़ता है। इन सब का खर्च इतना ज्यादा होता है कि लोग कई बार मेहमानों की संख्या में कटौती कर देते हैं, जिससे खाने का खर्च कम हो जाए। मगर एक दूल्हा-दुल्हन ने शादी के खर्च को बटोरने के लिए मेहमानों से ही पैसे वसूलने के बारे में सोचा। उन्होंने मेहमानों को ई-मेल से न्योता भेजा और उनसे आने के बदले 2-2 लाख रुपये मांगे। इस घटना के बारे में एक शख्स ने सोशल मीडिया पर जिक्र किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट के ग्रूप पर एक शख्स ने हैरान करने वाली घटना के बारे में बताया। शख्स ने बताया कि ये घटना उसके साथ नहीं, उसके दोस्त के साथ घटी, उसने पहचान छुपाने के लिए नाम बदल दिए थे। ये मामला ब्रिटेन का है। शख्स ने बताया कि उसके 36 साल के दोस्त जैक को सोफी (35 साल) और जेफ (36) की शादी में जाने का न्योता मिला। जैक और जेफ काफी समय से दोस्त हैं। उसे इस बात की भी खुशी हुई कि उसकी गर्लफ्रेंड को भी इस शादी में आने का न्योता मिला था। न्योता उसे ई-मेल के जरिए मिला था। जब उसने न्योता एक्सेप्ट कर लिया तो उसे मेल पर एक लिंक भेजा गया जिसपर क्लिक करते ही पेमेंट का पेज खुल गया और एक आदमी से 2 लाख रुपये की डिमांड की गई। वो ये देखकर हैरान हो गया। उसने फौरन वेन्यू पर कॉल किया और कहा कि शायद गलती से कोई शादी के नाम पर फ्रॉड कर रहा है और पैसों की डिमांड कर रहा है। वेन्यू ने बताया कि ये फ्रॉड नहीं है, बल्कि सोफी और जेफ ही चाहते हैं कि उनके मेहमान शादी में आने के लिए पैसे दें। जैक को ये देखकर काफी हैरानी हुई। हालांकि, दोस्त की खातिर उन्होंने जितने रुपये हाल-फिलहाल में सेव किए थे, सब शादी पर खर्च कर दिए। मेहमानों से निकलवा लिया वेन्यू का पूरा खर्च जब वो शादी वाले दिन वेन्यू पर पहुंचे तो ये देखकर भी काफी हैरान हुए कि ड्रिंक्स और खाने पर जो भी खर्च हो रहा था, उसका मेहमानों को अलग से पेमेंट करना था। जैक को वहां पर भी कुल 25 हजार रुपये का बिल चुकाना था। पैसे न होने की वजह से उन्होंने वेन्यू वालों से नेगोशिएट किया और कुछ कम रुपये चुकाए। तब उन्हें पता चला कि इस हरकत से दूल्हा-दुल्हन ने महंगे वेन्यू का खर्च मेहमानों के पैसों से निकाल लिया, उन्हें उस लिहाज से शादी मुफ्त की पड़ी। रेडिट पर ये पोस्ट वायरल हो रहा है, और लोगों ने हैरानी जताई। उनका कहना है कि ये रिवाज न ही अमेरिका में होता है और न ही ब्रिटेन में। ये सिर्फ लोगों को ठगने का तरीका है।

रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी : आतिशी

» भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर कार्रवाई का आप ने खुलकर किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री को भूमिहीन कैंप पर एक प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। मद्रासी कैंप, वजीरपुर के बाद अब कालकाजी के भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर कार्रवाई का आप खुलकर विरोध कर रही है। पार्टी ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस कान खोलकर सुन ले, उसकी तानाशाही और बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आम आदमी पार्टी आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। हम ना तुमसे डरते हैं और न तुम्हारी पुलिस से। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गीवासियों का श्राप लगेगा।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल मुद्दे को देंगे धार

अरविंद केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक यात्रा इसी तरह आम आदमी के मुद्दे उठाकर की थी। उन्होंने लोगों के बढ़े बिजली के बिल देने से साफ इनकार करवा दिया था और लोगों से यह वादा किया था कि सत्ता में आने पर वे बिजली के बिल माफ कर देंगे। वे बिजली के खंभों पर चढ़ गए और बिजली के तार काटने लगे। इसी तरह पानी और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे उठाकर उन्होंने अपनी राजनीति को आगे बढ़ाया। वे सफल हुए और दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए।

आतिशी ने कहा कि भाजपा बुधवार इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है और मुझे जेल भेजा जा रहा है, क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूं। भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। भाजपा कभी वापस नहीं आएगी। इससे पहले सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद दक्षिण दिल्ली के कालकाजी एक्सटेंशन में भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें अवैध झोपड़ियों के आगामी विध्वंस को देखते हुए अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया। आप सांसद संजय सिंह ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर लोगों के घरों, दुकानों और उनकी नौकरियों पर बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा में मद्रासी कैंप में तोड़फोड़ अभियान चलाया था, क्योंकि अधिकारियों ने बारापुला नाले के साथ क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए अदालती आदेश पर काम किया।

भगदड़ के बाद सरकार के कदम से संतुष्ट है आलाकमान : सिद्धारमैया

» सीएम बोले- जातिगत जनगणना पर तैयारी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 4 जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ के बाद उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। बातचीत में सीएम ने कहा कि नेता सरकार की प्रतिक्रिया से संतुष्ट हैं। उनके साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल और आरसी सुरजेवाला भी बैठक में मौजूद थे। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य सरकार बेंगलुरू में भगदड़ में हुई मौतों की जिम्मेदारी लेगी, उन्होंने कहा कि यही बात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी लागू होगी और आश्चर्य जताया कि क्या उन्होंने इस वर्ष की शुरूआत में प्रयागराज में महाकुंभ में हुई भगदड़ की मौतों के लिए इस्तीफा दे दिया था।

भगदड़ में हुई मौतों के मुद्दे को संसद में उठाने की भाजपा की योजना के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी को सबसे पहले महाकुंभ के दौरान हुई मौतों और गुजरात में पुल ढहने की घटना पर चर्चा करनी चाहिए, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा पुल का उद्घाटन करने के कुछ ही दिनों के भीतर लोगों की मौत हो गई। सिद्धारमैया ने कहा, जाति जनगणना को लेकर चर्चा हुई। कुछ संगठनों, धार्मिक प्रमुखों और यहां तक कि कुछ मंत्रियों ने भी इस पर चिंता जताई थी। जाति जनगणना पर प्रस्तुत रिपोर्ट को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है। इस बात पर सहमति बनी है कि जाति गणना की जानी चाहिए।

पारदर्शी तरीके से होगी नयी जाति जनगणना: शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कर्नाटक मंत्रिमंडल 90 दिनों के भीतर राज्य में फिर से जातिगत गणना कराने के लिए समयसीमा तय करेगा। उन्होंने एक "पारदर्शी" प्रक्रिया का वादा किया जो समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, हम इस पर सहमत हो गए हैं। पार्टी ने सर्वेक्षण पूरा करने और 90 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का फैसला किया है।" शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि जनगणना सभी समुदायों को विश्वास में लेते हुए पारदर्शी तरीके से की जाएगी। उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल सर्वेक्षण की तारीख और समयसीमा तय करेगा, जो एक लंबी और बड़ी प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री तारीख की घोषणा करेंगे।" उपमुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि नयी जनगणना में हर समुदाय की चिंताओं का समाधान किया जाएगा और किसी को भी इससे बाहर नहीं रखा जाएगा।

हम मोदी-शाह से नहीं डरते : ए राजा

» सांसद बोले- हम भगवा पार्टी को तमिलनाडु में पैर नहीं जमाने देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके के वरिष्ठ नेता ए राजा ने कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे आम लोगों से नहीं डरती और उनके पास भाजपा के विपरीत विचारधारा है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि भगवा पार्टी तमिलनाडु में पैर न जमा पाए। मदुरै में अमित शाह द्वारा सत्तारूढ़ डीएमके की आलोचना के जवाब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजा ने दावा किया कि विभिन्न मुद्दों पर भाजपा के दिग्गज नेता की टिप्पणियां सरासर झूठ, घृणित और विभाजनकारी हैं।

लोकसभा सांसद ने जोर देकर कहा कि भाजपा तमिलनाडु में पैर नहीं जमा सकती, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, दिल्ली या महाराष्ट्र के विपरीत, क्योंकि द्रविड़ विचारधारा भगवा विचारधारा का प्रतिकार है। उन्होंने द्रविड़ दर्शन का हवाला देते हुए कहा, (आप प्रमुख) अरविंद केजरीवाल (दिल्ली में) सत्ता में कैसे आए - उन्होंने केवल भ्रष्टाचार का विरोध किया, क्या उनके पास कोई विचारधारा थी, क्या उनके पीछे कोई नेता थे। हम अमित शाह और मोदी से नहीं डरते - आखिरकार, वे साधारण व्यक्ति हैं। उनके पीछे की राजनीतिक विचारधारा हर जगह आक्रमण कर रही है और जीत रही है, लेकिन वह यहां क्यों नहीं जीत पा रही है।

कुर्सी पकड़ कुमार बेबस व दिमागी रूप से लाचार हैं : रोहिणी आचार्य

» लालू की बेटी ने मोदी और नीतीश पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बाद अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मोदी और नीतीश कुमार सरकार पर कई आरोप लगाए। सीएम पर तंज कसते हुए रोहिणी ने लिखा कि कुर्सी पकड़ कुमार बेबस व दिमागी रूप से लाचार हैं। पुलिस और सरकार अपराधियों के सामने घुटने टेक चुकी है। अब केवल सुशासन का झूठा प्रचार चल रहा है। यह अपराध के बोलबाले वाला बिहार है। रोहिणी ने आगे लिखा कि चहुंओर अपराध है।

गोलियों की बौछार है। पुलिस से ज्यादा अपराधी वजनदार है। यही है नीतीश कुमार जी के शासन में बिहार का सूरत-ए-हाल। रोहिणी ने आरोप लगाया कि देश की जमीन पर विदेशी अतिक्रमण, सीमा पार से धड़ल्ले से घुसपैठ जारी है। अनवरत आतंकवाद का प्रहार है। कमरतोड़-बेलगाम महंगाई है। बेहिसाब बेरोजगारी है। डॉलर के मुकाबले दिन-ब-दिन कमजोर होता रुपया, देश पर विदेशी कर्जे का ऐतिहासिक बोझ है। गलत विदेश के कारण नीति से भारत वैश्विक पटल पर अलग-थलग पड़ गया है। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में पिछले दो वर्षों से अराजकता कायम है।

लालू आज मना रहे 78वां जन्मदिन

बिहार की राजनीति में दशकों तक अपनी पहचान बनाए रखने वाले लालू प्रसाद यादव आज यानी की 11 जून को अपना 78वां जन्मदिन मना रहे हैं। लालू यादव ने भारतीय राजनीति और खासकर बिहार की सत्ता के गलियारों में अपनी एक अलग पहचान बनाई। जोकि विरले ही किसी नेता को हासिल होती है। लालू यादव ने एक गरीब परिवार से निकलकर सीएम की कुर्सी तक का उनका सफर संघर्ष भरा रहा है।बिहार के गोपालगंज में 11 जून 1948 को लालू यादव का जन्म हुआ था। उनका छात्र जीवन सामान्य रहा, लेकिन बुनियाद ने उनको भविष्य का बड़ा नेता जरूर बना दिया था। लालू यादव ने गोपालगंज से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और फिर पटना कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वहीं पटना लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की। छात्र राजनीति के दौरान उन्होंने बिहार छात्र संघ के महासचिव बने और यहीं से उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत हुई।

27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने उतरेगी अफ्रीका

» डब्ल्यूटीसी जीतने के लिए तोड़ना होगा ऑस्ट्रेलिया का तिलिस्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। पिछले दो साल में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल तक पहुंची दक्षिण अफ्रीका के सामने चोकर्स का ठप्पा हटाने का सुनहरा मौका होगा, लेकिन इसके लिए उसे आईसीसी टूर्नामेंटों की दिग्गज ऑस्ट्रेलिया के किले में सेंध लगानी होगी। दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में पिछला आईसीसी टूर्नामेंट जीता था। तब टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी।

अब उसे 27 साल बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लिए नॉकआउट मैचों की दिग्गज माने जाने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का तिलिस्म तोड़ना होगा। ऑस्ट्रेलिया इकलौती टीम है जिसने आईसीसी की चारों ट्रॉफी (वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और डब्ल्यूटीसी) जीती है। वैश्विक टूर्नामेंटों के फाइनल में उसे हराना और मुश्किल होता है। टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है और इसमें से 10 बार खिताब जीतने में सफल रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में जीत के करीब पहुंच कर फिसलने के लिए जानी जाती है। दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच के जरिये पिछली विफलताओं को भुलाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था।

फाइनल मैच में छठा दिन रिजर्व डे रखा गया है

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पास एक रिजर्व डे है। इसका इस्तेमाल तभी होगा जब नियमित पांच दिन में से एक दिन का खेल खराब मौसम के कारण रद्द हो जाए। 2019-21 के फाइनल का भी पहला दिन बारिश के कारण धुल गया था। इस कारण मैच में स्वत: ही छठे दिन का विकल्प खुल गया था। हालांकि, 2023 में इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी। अगर फाइनल मैच में ड्रॉ या टाई रहता है तो ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। वहीं फाइनल मैच में ड्यूक गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। इंग्लैंड में फाइनल टेस्ट मैच के दौरान इसी गेंद का प्रयोग किया जाएगा। इंग्लैंड के अलावा आयरलैंड और वेस्टइंडीज में भी इसी गेंद का इस्तेमाल किया जाता है।

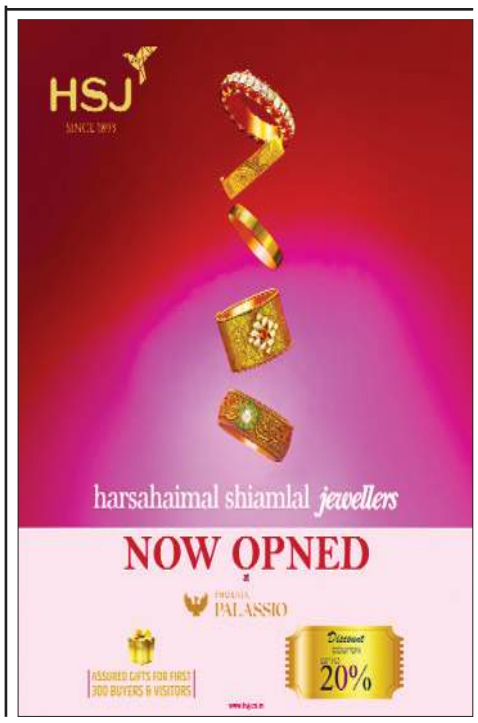

90 फीसदी छात्रों की पढ़ाई हो रही है बाधित : राहुल गांधी

बोले नेता प्रतिपक्ष- हाशिए पर पड़े छात्रों को बेहतर छात्रावास और समय पर छात्रवृत्ति मिले

» पीएम मोदी को कांग्रेस नेता का पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर वंचित समुदायों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में देरी की ओर ध्यान दिलाया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने पत्र में देश के दलित, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रों के हित में फैसले लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आवासीय छात्रावासों की स्थिति दयनीय है।

कांग्रेस सांसद ने मैट्रिक पास करने के बाद हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति के भुगतान में होने वाली देरी का मुद्दा भी उठाया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से अपील की है कि छात्रों से जुड़े इन दो मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि हाशिए पर पड़े समुदायों से आने वाले 90 प्रतिशत छात्रों की शिक्षा में छात्रवृत्ति और छात्रावास के कारण बाधा आती है।

राहुल ने कहा, हाशिए पर पड़े समुदायों से आने वाले छात्रों को मैट्रिक के बाद सही समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। बिहार का उदाहरण देते हुए राहुल ने अपने पत्र में दावा किया कि छात्रवृत्ति पोर्टल तीन साल तक ठप रहा। 2021-22 में किसी भी छात्र को छात्रवृत्ति नहीं मिली।

बिहार दौरे पर छात्रों से मुलाकात का भी जिक्र

अपने बिहार दौरे के अनुभव का उल्लेख कर राहुल ने कहा, बिहार के दरभंगा में आंबेडकर छात्रावास के हाल के दौरे के दौरान छात्रों ने शिकायत की। एक ही कमरे में 6-7 छात्रों को रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। शौचालय बदहाल हैं। पीने का पानी भी असुरक्षित है। भोजनालय की सुविधा नहीं मिलती। पुस्तकालयों या इंटरनेट जैसी बुनियादी सेवाएं भी नदारद हैं।

राहुल गांधी मानहानि मामले में छह अगस्त को अदालत में पेश हों : झारखंड उच्च न्यायालय

झारखंड उच्च न्यायालय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के सिलसिले में छह अगस्त को चाईबासा में सांसद-विधायक अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया।लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दो जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें 26 जून को अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था।गांधी के अधिवक्ता ने उच्च न्यायालय को बताया कि उनके मुवक्किल 26 जून को पेश नहीं हो सकेंगे और उन्होंने इसके स्थान पर छह अगस्त की तारीख मांगी। अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने के मामले में एक व्यक्ति प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ वर्ष 2018 में चाईबासा में एक जनसभा के दौरान दिए गए भाषण को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

बिहार में युवाओं की पहली पसंद बने राहुल

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ओपिनियन पोल में चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। सर्वे के मुताबिक, राज्य के युवाओं के बीच राहुल गांधी सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। इस सर्वे में युवाओं से पूछा गया कि उनकी पसंदीदा राष्ट्रीय नेता कौन है? जवाब में 47प्रतिशत युवाओं ने राहुल गांधी का नाम लिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 39प्रतिशत वोट मिले. बाकी 14प्रतिशत वोट अन्य नेताओं को मिले।

कभी नहीं सोचा था पार्टी में दरार आएगी : शरद पवार

» पार्टी के स्थापना दिवस पर बोले पूर्व सीएम व अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पवार ने कहा कि कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन और बढ़ गया। मैं आज इस बारे में बात नहीं करना चाहता। लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण था।

एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले उनके द्वारा सह-स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा और उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की। पवार एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसका विभाजन 2023 में होगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप बिना हतोत्साहित हुए पार्टी को आगे ले जाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ। पवार ने कहा कि कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन और बढ़ गया। मैं आज इस बारे में बात नहीं करना चाहता।

लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण था। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार के तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल होने के बाद एनसीपी का विभाजन हो गया। पार्टी का नाम और उसका घड़ी चिह्न अजित पवार गुट को दिया गया, जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया।

महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ने इस्तीफे की इच्छा जताई

वरिष्ठ राकांपा नेता (शरदचंद्र पवार) जयंत पाटिल ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि पार्टी नए चेहरों को मौका दे। पाटिल पुणे में राकांपा (सपा) के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां पार्टी प्रमुख शरद पवार और अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। पाटिल ने कहा कि पवार साहब ने मुझे कई मौके दिए। मुझे सात साल का कार्यकाल दिया गया। आखिरकार, पार्टी को नए चेहरों को मौका देना चाहिए। मैं आप सभी के सामने शरद पवार से अनुरोध करूंगा- आखिरकार, पार्टी पवार साहब की है। उन्हें इस पर उचित निर्णय लेना चाहिए। हमें अभी लंबा सफर तय करना है।

जगन प्रधानमंत्री मोदी के पालक पुत्र बने : वाईएस शर्मिला

» आंध्र कांग्रेस प्रमुख बोलीं- पांच साल भाजपा के आगे समर्पण किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि उनके दिवंगत पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी भाजपा का विरोध करते थे।

शर्मिला ने आरोप लगाया कि रेड्डी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'पालक पुत्र' बन गए हैं। शर्मिला ने कहा कि पिछले पांच सालों में जगन ने भाजपा के आगे समर्पण कर दिया। उन्होंने केंद्र द्वारा प्रस्तुत किए गए हर विधेयक का समर्थन किया। वाईएसआरसीपी नेता और पूर्व मंत्री रोजा सेल्वामणी के इस आरोप पर कि वह तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायडू का समर्थन कर रही हैं, शर्मिला ने कहा कि वाईएसआर की बेटी को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा जहां उन्हें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का समर्थन करना पड़े। शर्मिला ने कहा कि हालांकि वह पहले तेदेपा नेता एन. बालकृष्ण के घर से उनके खिलाफ कथित झूठे प्रचार से आहत थीं, लेकिन उन्हें अपने खिलाफ वाईएसआरसीपी द्वारा चलाए गए कथित दुर्भावनापूर्ण अभियान से अधिक ठेस पहुंची। शर्मिला ने कहा कि जब पार्टी ने उनकी मां वाईएस विजयम्मा को कथित रूप से बाहर कर दिया, तभी से वाईएसआरसीपी का पतन शुरू हो गया।

देश की सुरक्षा के मुद्दे पर संसद में कब चर्चा कराएगी सरकार

» कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश से लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद से सियासी संग्राम मच गया है। इसपर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने पूछा कि क्या अब सरकार देश की सुरक्षा और विदेश नीति को लेकर संसद के मानसून सत्र में चर्चा कराएगी?

कांग्रेस ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री संसद के आगामी मानसून सत्र में पहलगाम घटना के बाद देश की सुरक्षा और विदेश नीति की चुनौतियों पर चर्चा कराने के लिए तैयार होंगे। सरकार विपक्षी गठबंधन इंडिया की संसद के विशेष सत्र मांग को खारिज कर चुकी है। क्या प्रधानमंत्री पहलगाम के आतंकियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए कोशिश करेंगे।

सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठकों की अध्यक्षता कब करेंगे सीएम : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अब प्रधानमंत्री ने स्वयं 32 देशों में भेजे गए सात संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की है, तो क्या वह कम से कम अब सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। क्या वे चीन और पाकिस्तान दोनों के संबंध में भारत की भविष्य की रणनीति और सिंगापुर में सीडीएस के खुलासे को लेकर विपक्षी दलों को उन्हें विश्वास में लेंगे? रमेश ने यह भी पूछा कि क्या विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिता के सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता वाली कारगिल समीक्षा समिति जैसे विशेषज्ञों का एक समूह गठित किया जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर का विस्तार से विश्लेषण करेगा और उभरते सैन्य प्लेटफार्मों और प्रौद्योगिकियों तथा संकट की स्थिति में सामरिक संचार के लिए राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण सहित युद्ध के भविष्य पर अपनी सिफारिशें देगा। रमेश ने कहा कि इसके बाद क्या रिपोर्ट को संशोधनों के बाद - संसद में रखा जाएगा? जैसे कि कारगिल समीक्षा समिति की रिपोर्ट फरवरी 2000 में रखी गई थी।

पीएम मोदी ने की थी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की थी। इसमें सांसद और पूर्व राजनयिक शामिल थे। वे पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के खतरे को खत्म करने की आवश्यकता पर भारत का संदेश देने के लिए अलग-अलग देशों की यात्रा पर गए थे।

राजस्थान में बारात लेकर लौट रहा वाहन ट्रक से भिड़ा, दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर के पास बुधवार को सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों में नवविवाहित दुल्हन भी शामिल है।

रायसर के थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि यह हादसा सुबह लगभग सवा छह बजे रायसर इलाके में भटकाबास गांव के पास दौसा-मनोहरपुर राजमार्ग पर हुआ जब एक ट्रक और जीप की आमने सामने भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि बड़ी जीप (तूफान) में बाराती सवार थे जो मध्य प्रदेश से लौट रहे थे। हादसे में दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तपती गर्मी में न्याय की गुहार लगा रहे शिक्षामित्र

» शासन की उदासीनता के चलते आंदोलन तेज

» ईको गार्डन में जुटे प्रदेश भर के शिक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्थायी किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ईको गार्डन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से टीईटी पास शिक्षा मित्रों का हुजूम जुटा। बीते 15 दिनों से धरना दे रहे शिक्षा मित्रों ने शासन की उदासीनता के चलते आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने शिक्षा मित्रों से धरने में शामिल होने का आह्वान किया है। शिक्षक/शिक्षामित्र उत्थान समिति के बैनर तले 27 मई से टीईटी पास शिक्षा मित्र ईको गार्डेन में धरना दे रहे हैं। समिति के प्रदेश अध्यक्ष गुडडू सिंह ने कहा कि तपती धूप में धरना देने के बावजूद शासन शिक्षा मित्रों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अब समर कैंप संपन्न हो चुके हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से टीईटी पास शिक्षा मित्रों से राजधानी में जुटने का आह्वान किया गया है। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में जिले के अंदर परस्पर तबादला पाने वाले 9272 शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने तबादला पाने वाले शिक्षकों को 15 जून तक कार्यभार व कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि शिक्षकों ने आपसी सहमति के आधार पर तबादले का लाभ लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।